कोटा में कबाड़ गोदाम में भीषण आग लगी

सात दमकलों ने आग पर काबू पाया, लपटें पहुंचने पर पास की बिल्डिंग खाली कराई

कोटा, (निसं)। शहर के अनंतपुरा थाना इलाके की पत्थरमंडी, दीनदयाल नगर स्थित एक कबाड़ के गोदाम में आग लगने का मामला सामने आया है। यह आग मंगलवार सुबह करीब 9.30 बजे लगी। सूचना मिलते ही नगर निगम की दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। इस कबाड़ गोदाम के नजदीक ही एक तीन मंजिला इमारत है, जिसके भूतल पर दुकानें हैं और ऊपर के दो फ्लोर पर रिहायशी फ्लैट बने हुए हैं। आग की लपटें इस बिल्डिंग तक पहुंचने लगी थी। ऐसे में पुलिस व अग्निशमन टीम ने सावधानीपूर्वक इमारत को खाली करवाया। लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। आग से पूरे इलाके में धुआं फैल गया था। मौके पर अनंतपुरा थाना पुलिस भी पहुंची। नगर निगम के दमकलकर्मियों ने आग बुझाने का प्रयास किया।

कोटा में कबाड़ के गोदाम में लगी आग पर दमकलों ने काबू पाया।

- गोदाम टीनशेड से बना हुआ था, इसमें रबर, चादरें, लोहा, प्लास्टिक, रद्दी, खाली बोतलें, कांच व गत्ते सहित अन्य कई तरह का स्क्रैप पड़ा हुआ था

नगर निगम के अग्निशमन अनुभाग के मुख्य अग्निशमन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि 7 दमकलों ने करीब दो घंटे में इस आग पर काबू पाया है। पहली दमकल की टीम ने सूचना दी कि आग भीषण है जिसके बाद अन्य अग्निशमन केंद्रों से भी दमकलें भेजी गईं। यह गोदाम छीतरलाल व दिनेश नामक कबाड़ियों का है जिसका क्षेत्रफल 40 गुणा 90 फीट है और यह टीनशेड से बना हुआ है। इस गोदाम में रबर, चादरें, लोहा, प्लास्टिक, रद्दी, खाली बोतलें, कांच व गत्ते सहित अन्य कई तरह का स्क्रैप पड़ा हुआ था। आग की सूचना निवर्तमान पार्षद सोनू धाकड़ व जसवंत डैनी ने दी थी। इसके तत्काल बाद पुलिस कंट्रोल रूम से भी फोन आ गया था। मौके पर पहुंचे अनंतपुरा थाने के कांस्टेबल जितेंद्र सिंह ने बताया कि इस गोदाम के पास मौजूद मिश्रित (रिहायशी व व्यावसायिक) बिल्डिंग तक आग पहुंच गई थी जिससे वहां के निवासियों को बाहर निकाला गया। समय पर दमकल के पहुंच जाने से आग पर काबू पा लिया गया अन्यथा बिल्डिंग भी चपेट में आ सकती थी।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी व्यास ने बताया कि प्राथमिक तौर पर आग का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। हालांकि, गोदाम मालिक दिनेश और छीतरलाल का आरोप है कि आग किसी व्यक्ति ने जान बूझकर लगाई है। इस संबंध में आगे की जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

सीएम भजनलाल पांच को फिरोजपुर फीडर के पुनर्निर्माण कार्य का शिलान्यास करेंगे

जयपुर/श्रीगंगानगर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान का नहरी तंत्र मजबूत बन रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पांच दिसम्बर को फिरोजपुर फीडर के पुनर्निर्माण कार्य का शिलान्यास करेंगे। इससे गंगनहर में वर्षभर पानी की पर्याप्त आवक बनी रहेगी तथा किसान रबी व खरीफ फसलों की जरूरत के अनुसार सिंचाई कर सकेंगे।

- इससे गंगनहर में वर्षभर पानी की पर्याप्त आवक बनी रहेगी तथा किसान रबी व खरीफ फसलों की जरूरत के अनुसार सिंचाई कर सकेंगे

फिरोजपुर फीडर के पुनर्निर्माण के तहत आर.डी. 0 से 168.230 तक सी.सी.लाईनिंग, 2 हैड रेगूलेटरों का पुनर्निर्माण, 1 हैड रेगूलेटर का नव निर्माण, 1 क्रोस रेगूलेटर का पुनर्निर्माण, 19 वी.आर.बी./डी.आर.बी. का पुनर्निर्माण, 3 रेलवे क्रॉसिंग ब्रिज का पुनर्निर्माण कार्य करवाया जाएगा। इन विकास कार्यों से हरिके बैराज में आने वाले अधिक पानी को फिरोजपुर फीडर में लाया जाएगा तथा इसका प्रत्यक्ष लाभ गंगनहर को होगा।

इन पुनर्निर्माण कार्यों से गंगनहर के 3.14 लाख हैक्टेयर क्षेत्र के काश्तकार लाभान्वित होंगे तथा फसलों का उत्पादन भी बढ़ेगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर बजट घोषणा वर्ष 2024-25 में फिरोजपुर फीडर के पुनर्निर्माण के लिए 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था। केन्द्रीय जल आयोग द्वारा इस कार्य की डीपीआर स्वीकृति दी गई। इस परियोजना की कुल लागत 647.62 करोड़ रुपये है। इसमें पंजाब राज्य की हिस्सेदारी 379.12 करोड़ रुपये एवं राजस्थान राज्य की हिस्सेदारी 268.50 करोड़ रुपये है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1925 में 5 दिसम्बर को स्व. महाराजा गंगा सिंह ने गंगनहर का शिलान्यास किया था। वर्ष 2025 में इस परियोजना के 100 वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा फिरोजपुर फीडर के पुनर्निर्माण कार्य का शिलान्यास करेंगे। इससे फिरोजपुर फीडर की कुल पानी आहरण की क्षमता में वृद्धि होगी।

खाद बीज की दुकानों का निरीक्षण किया

भीलवाड़ा, (निसं)। रबी फसलों में सुनियोजित एवं आवश्यकतानुसार उर्वरकों की उपलब्धता एवं किसानों को उच्च गुणवत्ता का कृषि आदान उपलब्ध कराने के उद्देश्य को लेकर कृषि आयुक्तालय की टीम ने भीलवाड़ा में खाद बीज की दुकानों का निरीक्षण किया।

- कृषि आयुक्तालय की टीम ने भीलवाड़ा में जांच की

कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक विनोद कुमार जैन ने बताया कि कृषि आयुक्तालय जयपुर में जल उपयोगिता प्रकोष्ठ के सहायक निदेशक जितेन्द्र कुमार नोगिया एवं नरेन्द्र जैन ने मैसर्स निम्बार्क ऐजेन्सी पर स्टॉक निर्धारित तिथि तक संधारित नहीं रखने एवं बिना पीसी में इन्द्राज कराये पोटाश डेविडेट फ्रोम मोलासिस पाये जाने पर तत्काल बिक्री पर रोक लगाकर फर्म को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इसी प्रकार हिन्दुस्तान सीड्स एवं फर्टीलाइजर के प्रतिष्ठान पर बिल बुक निर्धारित प्रारूप में संधारित करने के निर्देश दिये। उन्होंने बताया कि किसानों को फसल की आवश्यकतानुसार रबी सीजन में समय पर यूरिया एवं अन्य उर्वरक उपलब्ध हो इसके लिए कृषि विभाग द्वारा कृषि आदान विक्रेताओं के स्टॉक एवं गोदामों का निरीक्षण किया जा रहा है, किसानों को उच्च गुणवत्ता का कृषि आदान उपलब्ध कराने हेतु सेम्पल लिये जा रहा है, जिनको विश्लेष्ण हेतु प्रयोगशाला में भेजा जायेगा। विभाग के निरीक्षको द्वारा कृषि आदान के प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण और मौके पर मौजूद उर्वरक के स्टॉक का पॉस मशीन एवं स्टॉक रजिस्टर से मिलान करेंगे एवं किसी भी स्तर पर अनियमितता पाये जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी। संयुक्त निदेशक जैन ने बताया कि किसानों की सुविधा के लिए जिला स्तरीय कन्ट्रोल रूम स्थापित किया है।

पुलिस ने बीएलओ बनकर दुष्कर्मी को फकड़ा

भीलवाड़ा, (निसं)। पुलिस ने छह साल से फरार दुष्कर्म के आरोपी नरेश शर्मा को गिरफ्तार किया है। नरेश शर्मा अपनी महिला मित्र के साथ उत्तर प्रदेश के नवाबगंज, बरेली में नाम बदलकर राजेश शर्मा के रूप में छुपा हुआ था। वह थाना कोतवाली चित्तौड़गढ़ का निवासी है और दुष्कर्म के मामले में फरार था। इसके अलावा, चंदेरिया थाना क्षेत्र में 15 साल और सुभाषनगर, भीलवाड़ा में 5 साल से धोखाधड़ी के मामलों में फरार अन्य आरोपी भी हैं।

भीलवाड़ा पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देश पर थाना कोतवाली के थाना प्रभारी सुनील चौधरी की टीम ने विशेष प्रयास कर नरेश शर्मा को गिरफ्तार किया। टीम के हेडकांस्टेबल ओमप्रकाश चौधरी ने बीएलओ बनकर गहन जांच की और मिली सूचना के आधार पर नरेश को पकड़ने में सफलता हासिल की। आरोपी के खिलाफ स्थाई वारंट था और वह फरार रहने के दौरान नाम बदलकर रह रहा था।

ड्रग्स मंगाने वाला आरोपी गिरफ्तार

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर में वर्षों पूर्व सोना, बादाम, लोंग की होने वाली तस्करी से निजात मिली, परन्तु वर्तमान में ड्रग्स तस्करी करने वाले बड़े बड़े गिरोह सक्रिय हैं। पुलिस द्वारा 4 महीने पहले 3 करोड़ 35 लाख रुपए की एमडीएमए ड्रग्स पकड़ी गई थी, पर ड्रग्स मंगवाने वाला आरोपी फरार था। इस मामले में जिले की कोतवाली पुलिस ने इस केस में सप्लाई मंगाने वाले वांटेड आरोपी भोमसिंह पुत्र शैतानसिंह राजपूत को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पिछले कई महीनों से फरार चल रहा था। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि ड्रग्स नेटवर्क में और कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं।

नशीले कैप्सूल और गोलियों के साथ ई-रिक्शा चालक गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। सदर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पालिका बाजार के पास गश्त के दौरान एक ई-रिक्शा चालक को 1 लाख 30 हजार से ज्यादा अवैध नशीले कैप्सूल और टैबलेट्स के साथ गिरफ्तार किया है। जब्त टैबलेट्स और कैप्सूल की बाजार कीमत लाखों रुपए बताई जा रही है।

- ई-रिक्शा में 1.25 लाख प्रतिबंधित कैप्सूल व टैबलेट्स ले जा रहा था

सदर थानाधिकारी सुभाष चन्द्र के नेतृत्व में सब-इंस्पेक्टर हंसराज खरोड़ की टीम ने यह कार्रवाई की। आरोपी की पहचान त्रिलोक राम (45) निवासी 71 आरबी (रायसिंहनगर) के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि त्रिलोक राम डीटीडीसी कोरियर कंपनी में पार्ट टाइम डिलीवरी का काम करता है। आरोपी पिछले काफी लंबे समय से नशा तस्करों के संपर्क में था और कोरियर कंपनी पर लिखे पते से अलग-अलग जगहों पर इन नशीली दवाओं की डिलीवरी करता था। आरोपी इन कैप्सूल और गोलियों को छिपाकर ई-रिक्शा में ले जा रहा था। आरोपी के कब्जे से प्रेगाबालिन कैप्सूल आईपी 300 मिलीग्राम (न्यूरो-300) 35 हजार कैप्सूल, टैपेंटाडॉल हाइड्रोक्लोराइड टैबलेट्स (टैनीडॉल) 95 हजार टैबलेट्स बरामद की गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पूछताछ में आरोपी से नशे की सप्लाई करने वाले बड़े सरगना और अन्य साथियों के नाम उगलवाने की कोशिश की जा रही है।

सड़क हादसे में युवक की मौत

झुंझुनूं, (निसं)। बुहाना थाना इलाके के कुहाड़वास-भूरीवास रोड पर बीती रात को हादसे में अमित उर्फ बंटी की मौत हो गई, जबकि उसका दोस्त बुधराम घायल हो गया। बलौदा गांव का रहने वाला बुधराम मेघवाल शादियों में केटरिंग का काम करता है। उसने 22 नवंबर को कुहाड़वास में एक केटरिंग का काम किया था। जिसका पेमेंट लाने वह अपने दोस्त के साथ कुहाड़वास गांव गया हुआ था। जहां से पेमेंट लेने के बाद दोनों रात को बाइक से रवाना हुए। इसी दौरान कुहाड़वास से निकलते ही भूरीवास के समीप आश्रम के समीप पीछे से अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मारी।

देसूला की चरागाह भूमि पर नहीं रुक पाई अवैध प्लाटिंग

अलवर, (निसं)। अलवर तहसीलदार और राजस्व विभाग के लापरवाह अधिकारियों और पटवारी की मिलीभगत के चलते उद्योग नगर के देसूला गांव में गौचर भूमि पर भूमाफियाओं द्वारा हो रही अवैध प्लाटिंग पर अभी तक किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं की गई है। जिला प्रशासन के आला अधिकारियों की मेहरबानी से भूमाफिया इस करोड़ों की गौचर भूमि पर अवैध प्लाटिंग करने में लगे हुए हैं। इसकी शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल से लेकर इसके समाचार मीडिया में लगातार प्रकाशित किये जा रहे हैं, लेकिन जिला प्रशासन के अधिकारी कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं।

- ग्रामीणों ने इसकी शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल से लेकर पटवारी, तहसीलदार अलवर को भी की है, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं की गई

ग्रामीणों ने बताया कि देसूला की गौचर भूमि खसरा नं 534 पर पिछले कई दिनों से प्लाटिंग की जा रही है। यहां तक कि यहां भवनों का निर्माण तक भी किया जा चुका है। ग्रामीणों ने इसकी शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल से लेकर पटवारी दिनेश कुमार को भी की जब पटवारी ने कोई कार्यवाही नहीं की तो ग्रामीणों ने इसकी शिकायत तहसीलदार अलवर को भी की है, लेकिन राजस्व विभाग द्वारा अभी तक इस पर कोई कार्यवाही नहीं की गई है।

चाकू के हमले से श्रमिक की हत्या, दो घायल

उदयपुर, (निसं)। शराब के नशे में आपसी विवाद होने पर अरोपी ने चाकू से साथी श्रमिकों पर हमला कर दिया। जिससे एक श्रमिक की मौत हो गई तथा दो श्रमिक घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार एक दिसंबर तड़के जिले के बैकरिया थाना क्षेत्र उपलावास गांव में शराब पीने के दौरान किसी बात को लेकर कहासूनी होने पर बावलवाड़ा निवासी जीवन पुत्र रासा ने चाकू से हमला कर देवरी एमपी निवासी विरसिंह (23) पुत्र हीरासिंह, वीरन (32) पुत्र सुखनंदन एवं कपूर (21) पुत्र डालू पर हमला कर फरार हो गया। इसका पता चलने पर बैकरिया थानाधिकारी उत्तमसिंह ने मौके पर पहुंचकर उच्चाधिकारियों को घटना की जानकारी दी। इस पर पुलिस उप अधक्षक डूगरसिंह ने मौके पर पहुंचकर घटना स्थल कर निरीक्षण किया तथा मृतक वीरसिंह का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा एवं घायलों को उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती कराने के लिए रवाना किया। बैकरिया थाना क्षेत्र में हाईटेंशन लाईन बिछाने का काम चल रहा है। जहां पर वीरसिंह, वीरन एवं कपूर मजदूरी करते हैं तथा जीवन हिताची मशीन का आपरेटर का काम करता है।

आईएसआई जासूस प्रकाश सिंह को टेलीग्राम-वॉट्सएप पर ट्रेनिंग मिली थी

श्रीगंगानगर, (कासं)। मंगलवार को सीआईडी इंटेलिजेंस ने श्रीगंगानगर से गिरफ्तार पाकिस्तानी जासूस प्रकाश सिंह उर्फ बादल (34) को जयपुर कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने प्रकाश को 11 दिसम्बर तक पीसी रिमांड पर भेज दिया।

- सीआईडी इंटेलिजेंस ने पाकिस्तानी जासूस प्रकाश सिंह उर्फ बादल को जयपुर कोर्ट में पेश किया, 11 दिसम्बर तक पीसी रिमांड पर भेजा

जानकारी के अनुसार जांच में सामने आया कि श्रीगंगानगर से गिरफ्तार पाकिस्तानी जासूस प्रकाश सिंह उर्फ बादल (34) कोई सामान्य जासूस नहीं था, वह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का एक्टिव और ट्रेंड एजेंट था। आईएसआई की ओर से उसे टेलीग्राम और वॉट्सएप के जरिए ट्रेनिंग दी गई थी। बताया गया कि उसे कब क्या करना है। साइंस का स्टूडेंट रहा प्रकाश डी फार्मा (फार्मासिस्ट) कर चुका है। जांच में सामने आया कि पाकिस्तान से बॉर्डर पर ड्रोन से आने वाली ड्रग तस्करी का सबसे बड़ा सरगना भी प्रकाश सिंह ही था। पाकिस्तानी हैंडलर से ड्रग लेकर तस्करों तक पहुंचाना और उसे सप्लाई करने तक का काम वह खुद ही करता था। बॉर्डर एरिया के चप्पे-चप्पे से वाकिफ प्रकाश खुद को मार्बल का मिस्त्री बताता था। शातिर तरीके से पाकिस्तान को सेना से जुड़े फोटो-वीडियो शेयर कर रहा था। जानकारों के अनुसार अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले के बाद मई में हुए ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाई आईएसआई ने अपनी रणनीति पूरी तरह बदल दी है। पहले वह केवल ड्रग्स, हथियार और जाली नोट तस्करों को संरक्षण देती थी, लेकिन अब इन स्मगलरों के पूरे नेटवर्क को अपने सीधे नियंत्रण में लेकर उन्हें बिना किसी अतिरिक्त ट्रेनिंग के जासूस बना रही है।

फिरोजपुर (पंजाब) निवासी प्रकाश सिंह इसी का हिस्सा था। जासूसी करने से पहले प्रकाश सिंह पाकिस्तान से आने वाली ड्रग को देश के अलग-अलग राज्यों में सप्लाई करता था। आईएसआई के जरिए ये ड्रग राजस्थान से जुड़े बॉर्डर पर ड्रोन से गिराई जाने लगी। प्रकाश सिंह ड्रग तस्करी के इस मॉडल का मुख्य सरगना था। जांच में सामने आया कि प्रकाश सिंह पिछले 13 साल से इंटरनेशनल ड्रग तस्करी के बड़े नेटवर्क का हिस्सा रहा है। साल 2012-13 में वह हेरोइन के साथ पकड़ा गया। इसके बाद वह सितम्बर 2014 तक पंजाब की जेल में रहा। इस दौरान वह अमृतसर के बड़े ड्रग स्मगलरों के लिए मीडिएटर का काम करता था। जेल में रहने के दौरान कुछ दूसरे ड्रग तस्करों से उसका कॉन्टैक्ट हुआ। जेल से बाहर आते ही उसने पाकिस्तानी ड्रग तस्करों से कॉन्टैक्ट बनाए। इसके बाद वह साल 2015 के बाद से बॉर्डर पर पाकिस्तान से हेरोइन मंगवाने लगा। वह आईएसआई के जरिए आने वाली हेरोइन को बॉर्डर पर भेजने की लोकेशन बताता था। यानी बॉर्डर पर कहां पर किस जगह ड्रग के पैकेट गिराने हैं, ये सारे काम प्रकाश सिंह करता था। इसके बाद वह ड्रग तस्करों तक पहुंचाता था। जांच में सामने आया कि पाकिस्तान से आने वाली ड्रग को उसने राजस्थान के अलावा पंजाब और गुजरात में सप्लाई किया। ये भी सामने आया कि पिछले कुछ सालों में बॉर्डर पर ड्रोन के जरिए आई ड्रग में भी प्रकाश सिंह की बड़ी भूमिका आ रही है।

सोशल मीडिया के जरिए वह आईएसआई के कॉन्टैक्ट में था। उसे बताया जाता था कि उसे अब कौनसा टास्क करना है। इस दौरान सेना से जुड़ी जानकारी वह पाकिस्तान भेजने लगा। वह राजस्थान के बॉर्डर इलाकों में अपने आपको मार्बल का मिस्त्री बताता था। जांच में सामने आया कि प्रकाश ने राजस्थान के अलावा पंजाब और गुजरात से भारतीय सेना से जुड़ी जानकारी और गोपनीय सूचना पाकिस्तानी हैंडलर्स को भेजी थी। इसके बदले में उसे मोटी रकम दी जा रही थी।

सीआईडी इंटेलिजेंस के आईजी प्रफुल्ल कुमार ने बताया कि प्रकाश दूसरों के मोबाइल नंबर लेकर उनके नाम से वॉट्सएप अकाउंट बनाता था। उन अकाउंट्स से पाकिस्तानी हैंडलर जासूसी और अन्य राष्ट्रविरोधी गतिविधियां चलाते थे। इसके बदले उसे मोटी रकम भी मिल रही थी। प्रफुल कुमार ने बताया कि 27 नवंबर को श्रीगंगानगर के साधुवाली सैन्य क्षेत्र के पास संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिली थी। बॉर्डर इंटेलिजेंस टीम ने उसे दबोच लिया। मोबाइल चैक किया तो कई पाकिस्तानी नंबरों से चैटिंग मिली। फिर जॉइंट इंटेरोगेशन सेंटर श्रीगंगानगर और बाद में जयपुर ले जाकर सभी खुफिया एजेंसियों ने गहन पूछताछ की। डिजिटल डेटा से सारी बातें साबित हो गई।

सड़क हादसे में युवक की मौत

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर के निकट गांगाणा फांटा के पास में सोमवार की देर शाम बाइक सवार दो युवकों को ट्रक चालक ने चपेट में ले लिया। हादसे में एक युवक की तत्काल मौत हो गई, जबकि दूसरे का उपचार जारी है। परिजन ने मृतक के परिवार को आर्थिक मदद की मांग की। मृतक परिवार में इकलौता कमाने वाला था। दोपहर तक परिजन का धरना-प्रदर्शन जारी था। परिजन ने प्रशासन से उचित कार्रवाई की मांग भी रखी। हालांकि दुर्घटना के बाद पुलिस ने ट्रक को जब्त करने के साथ उसके चालक को भी पकड़ लिया।

बोरानाडा पुलिस के अनुसार शंकर नगर, सांगरिया निवासी गजेंद्र वैष्णव पुत्र रामचंद्र वैष्णव की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसका साला चांदपोल निवासी नरेश वैष्णव पुत्र मुरलीधर वैष्णव फोटोग्राफी का काम करता था। सोमवार की शाम को अपनी बाइक साथ परिचित के साथ गांगाणा फांटा से निकल रहा था, तब एक ट्रक चालक ने चपेट में ले लिया। हादसे में उसके साले नरेश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि साथ वाला घायल हो गया। उसका अस्पताल में उपचार चल रहा है। इधर इस घटना को लेकर मृतक के बहनोई गजेंद्र का कहना है कि मृतक अपने परिवार में एक मात्र कमाने वाला था। पिता भी बीमार है।

कुंभलगढ़ फेस्टिवल के दूसरे दिन लोक कलाकारों के संग थिरके पर्यटक

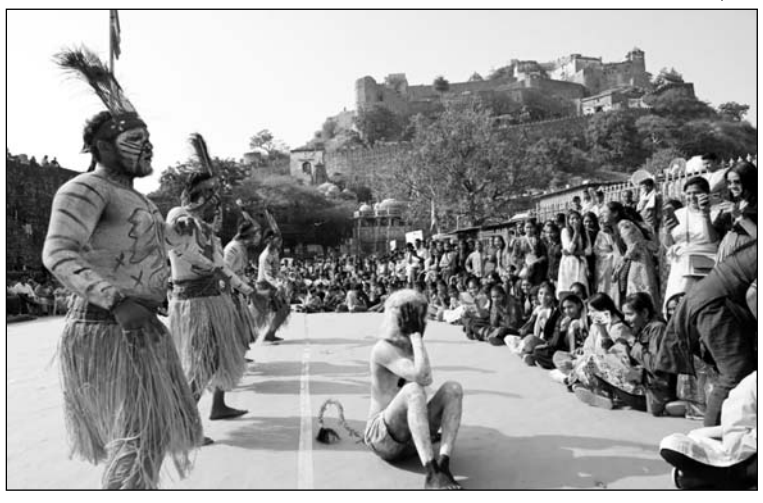

तीन दिवसीय कुंभलगढ़ फेस्टिवल के तहत लोक कलाकारों ने लोक नृत्य पेश किये। वहीं देशी-विदेशी पर्यटकों ने भी पारंपरिक लोक नृत्यों का आनंद लिया।

राजसमंद, (निसं)। तीन दिवसीय कुंभलगढ़ फेस्टिवल का दूसरा दिन भी उत्साह, उमंग और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर रहा। सूर्योदय से लेकर देर शाम तक आयोजित कार्यक्रमों में देशी-विदेशी पर्यटकों की उल्लेखनीय भीड़ उमड़ी, जिससे पूरा दुर्ग परिसर जीवंत माहौल से भर उठा।

दिनभर मंच पर चकरी, सहरिया, चंग-ढप, कच्छी घोड़ी, लाल अंगी, बांकिया, बहरूपिया, कालबेलिया, लंगा और गवरी जैसी पारंपरिक लोक नृत्य शैलियों की अद्भुत प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। लोक कलाकारों की सजीव प्रस्तुति पर पर्यटकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और कई अवसरों पर वे लोक धुनों पर थिरकते भी नजर आए। पारंपरिक वेशभूषा में सजे कलाकारों और पर्यटकों की सामूहिक सहभागिता ने पूरे वातावरण में उल्लास का अनोखा दृश्य प्रस्तुत किया।

शाम लोकराग-संदीप रत्नू द्वारा प्रस्तुत लोक संगीत का नाट्यय कार्यक्रम दिन का मुख्य आकर्षण रहा। प्रभावशाली मंचन और मधुर लोक धुनों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिसके बाद परिसर तालियों की गूंज से गुंजायमान हो उठा। पगड़ी बांधो प्रतियोगिता में भी पर्यटकों ने विशेष रुचि दिखाई और बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने गतिविधि में भाग लिया। दूसरे दिन कुंभलगढ़ दुर्ग में आगंतुकों की लगातार आवाजाही रही। प्राचीन वास्तुकला, प्राकृतिक सौंदर्य और राजस्थानी संस्कृति की मिश्रित अनुभूति ने आगंतुकों को पूरा दिन व्यस्त रखा। परिवारों, युवा समूहों और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की सक्रिय भागीदारी से फेस्टिवल परिसर में लगातार रौनक बनी रही। सुरक्षा व्यवस्था के तहत पुलिस द्वारा सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए गए।

कार्यक्रम के दौरान पर्यटन विभाग की संयुक्त निदेशक सुमिता सरोच, उप निदेशक शिखा सक्सेना, एसडीएम साक्षी पूरी, सहायक निदेशक विवेक जोशी, सहायक निदेशक जितेंद्र माली, पर्यटक अधिकारी नीलू राठौड़, होटल एसोसिएशन के प्रतिनिधि, स्थानीय अधिकारी और बड़ी संख्या में देश-विदेश से आए पर्यटक उपस्थित रहे।

ट्रैक्टर से टक्कर मारकर हत्या करने का आरोपी गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। ट्रैक्टर से टक्कर मारकर हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। थाना सदर के अंतर्गत 29 नवंबर को सुबह 8:30 बजे प्रियदर्शनी नगर के पास सुवाणा हलेड रोड के पास खाली जमीन पर एक व्यक्ति की लाश मिली थी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने मृतक की पहचान महेन्द्र सिंह पंवार के रूप में की।

- परिजनों ने रुपये के लेनदेन और अवैध संबंध के कारण हत्या की आशंका जताई थी

परिजनों ने रुपये के लेनदेन और अवैध संबंध के कारण हत्या की आशंका जताई। पुलिस अधीक्षक धमेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारसमल जैन और सी ओ सदर माधव उपाध्याय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मामले की जांच शुरू की। एफएसएल टीम ने घटनास्थल की वैज्ञानिक जांच की, जिसमें यह पाया गया कि मृतक को पीछा करते हुए ट्रैक्टर से टक्कर मारकर कुचलकर हत्या की गई। पूछताछ के दौरान पुलिस ने करीब 20 संदिग्धों से पूछताछ की। जांच में सामने आया कि आरोपी रामेश्वर पुत्र रामचंद्र, जो लक्ष्मीपुरा थाना बनेड़ा का निवासी है, ने अपने फार्म ट्रैक्टर से मार्निंग वॉक पर निकले महेन्द्र सिंह को टक्कर मारकर हत्या की। दोनों आरोपी और मृतक दोस्त थे और करीब 7-8 वर्षों से दूध डेयरी के व्यवसाय में साथ थे, लेकिन महेन्द्र के आरोपी की पत्नी से अवैध संबंध होने से रामेश्वर ने हत्या की साजिश रची। आरोपी ने बताया कि वह सुबह करीब 4 बजे कच्चे रास्ते पर इंतजार करता रहा और जैसे ही महेन्द्र सड़क पर आया, उसने ट्रैक्टर से टक्कर मारी। महेन्द्र बचने की कोशिश कर खेतों की ओर भागा, लेकिन आरोपी ने पीछे जाकर फिर से टक्कर मारी और उसे ट्रेक्टर के आगे के टायर के नीचे कुचल दिया। हत्या के बाद आरोपी ने अपने घर जाकर रोजाना की दिनचर्या शुरू कर दी ताकि किसी को शक ना हो। पुलिस को मुखबीर की सूचना मिली, जिसके बाद रामेश्वर को पकड़ लिया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने हत्या करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।